दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 23 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 85

महत्वपूर्ण एवं खास

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में हाईवे पर दरकी पहाड़ी, बीच सडक़ पर फंसे लोग

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला तवाघाट नेशनल हाइवे पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब अचानक एक पहाड़ी दरक गई। जिसके बाद नेशनल हाईवे के बंद होने के कारण लोग सडक़ पर ही फंस गए। सडक़ बंद रहने से यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। पहाड़ी दरकने से नेशनल हाइवे पूरी तरह बंद हो गया। रोंगती नाले के समीप पहाड़ी बिना बारिश के ही भरभराकर गिर गई। गनीमत रही तब कोई वहां मार्ग से नहीं गुजर रहा था। सडक़ बंद हो जाने से दोनों ओर कई वाहन फंस गए हैं। इधर डीएम विनोद गोस्वामी ने कहा है कि मार्ग को खोलने का काम किया जा रहा है। बताया कि बंद हाईवे को खोलने के लिए जेसीबी सहित अन्य मशीनें लगाई हैं। वीडियो में आप देख सकते है कि कैसे भारी मात्रा में पहाड़ी से मलबा गिरा। जिस कारण अब सडक़ खोलने में काफी समय लग सकता है। बीआरओ के अधिकारी मौके पर सडक़ खोलने में जुटे हुए हैं। जानकारी के बाद एसडीएम मंजीत सिंह भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को शीघ्र सडक़ यातायात के लिए खोलने के आदेश दिए।

पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे के काफिले में पलटी जीप, कई पुलिसकर्मी घायल

पाली (आरएनएस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के काफिले में एक गंभीर हादसा हुआ, जब काफिले के पीछे चल रही पुलिस की जीप बाली में पलट गई। इस हादसे में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें रूपाराम, भाग चंद, सूरज, नवीन और जितेंद्र शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ जब वसुन्धरा राजे मंत्री ओटा राम देवासी की माता के निधन पर संवेदना व्यक्त कर उनके गांव मुंडारा से जोधपुर लौट रही थीं। घायलों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, पूर्व सीएम खुद मौके पर पहुंचीं और घायलों को एम्बुलेंस में बैठाकर राजकीय चिकित्सालय बाली भेजा। इसके साथ ही, बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह को भी घायलों के साथ अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। यह घटना घटनास्थल पर तीव्र प्रतिक्रिया का कारण बनी, और प्रशासन ने पूरी स्थिति का तुरंत संज्ञान लिया।

वाराणसी में बदमाशों ने पिता-पुत्र पर की फायरिंग, आभूषण से भरा बैग लूट कर फरार

वाराणसी (आरएनएस)। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के कमच्छा के पास रविवार को तडक़े सुबह बदमाशों ने ताड़तोड़ गोलियां चलाई, जिसमें स्कूटी सवार पिता और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद बदमाश ज्वेलरी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। गोली लगने से घायल पिता और पुत्र को वाराणसी के ट्रामा सेंटर में एडमिट कराया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने पूरे बनारस में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। घायल पिता-पुत्र बनारस के सर्राफ कारोबारी हैं। घायल दीपक सोनी को पीठ के नीचे गोली लगी है और उनके पुत्र को बाएं पैर में गोली लगी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि आभूषण कारोबारी दीपक सोनी मुंबई से आभूषण लेकर तडक़े सुबह ट्रेन से कैंट स्टेशन पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे को फोन करके बुलाया था और फिर स्टेशन से लौटते समय बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। स्टेशन से घर लौटते समय कमच्छा तिराहा के पास पहुंचने पर कार सवार कारोबारी को ओवरटेक करके रोकने लगे। बाद में बदमाशों ने स्कूटी को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद कार सवार दीपक से गहनों से भरा बैग छीनने लगे। इसी बीच, शोर मचाने के बाद बदमाश दोनों पिता पुत्र पर फायरिंग करते हुए गहने से भरा बैग लेकर निकल गए। काशी जोन के डीसीपी गौरव बंसवाल ने बताया कि एक व्यक्ति मुंबई से आभूषण लेकर वाराणसी पहुंचे थे। वाराणसी पहुंचने के बाद उनके बेटे ने उन्हें रेलवे स्टेशन से रिसीव किया और वह स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कमच्छा क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की और उनके पास मौजूद आभूषणों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। दोनों पिता-पुत्र को गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे शहर में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है।

कुवैत ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया अपना सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत का सबसे बड़ा सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर दिया गया है। यह पीएम मोदी को किसी देश द्वारा दिया गया 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है।

मुबारक अल कबीर ऑर्डर कुवैत का एक विशेष नाइटहुड सम्मान है। यह सम्मान आमतौर पर किसी देश के प्रमुख, विदेशी शासकों और राजपरिवार के सदस्यों को दोस्ती के प्रतीक के रूप में दिया जाता है।

इससे पहले यह सम्मान बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे अंतरराष्ट्रीय नेताओं को दिया जा चुका है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुवैत में एक श्रमिक शिविर का दौरा किया। पीएम मोदी ने कुवैत के मीना अब्दुल्ला क्षेत्र में गल्फ स्पिक लेबर कैंप का दौरा किया, जिसमें लगभग 1,500 भारतीय नागरिक कार्यरत हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने श्रमिकों से बात की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री का दिन का पहला कार्यक्रम यह दर्शाता है कि भारत विदेशों में भारतीय कामगारों के कल्याण को कितना महत्व देता है।

उल्लेखनीय है कि कुवैत में भारतीय समुदाय सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। कुवैत की कुल आबादी में भारतीय 21 प्रतिशत (1 मिलियन) हैं और इसके कार्यबल (लगभग 9 लाख) में 30 प्रतिशत हैं।

इससे पहले 21 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शनिवार दोपहर कुवैत सिटी स्थित होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी कुवैत राज्य के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर अपनी ऐतिहासिक दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर को कुवैत पहुंचे थे। वह 43 साल में इस खाड़ी देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी यात्रा भारत और कुवैत के लोगों के बीच विशेष संबंधों और मैत्री के बंधन को और मजबूत करेगी।

अमृतसर पुलिस की बड़ी कार्यवाई : 10 किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर । आरएनएस

पंजाब में नशे की बढ़ती समस्या के बीच, अमृतसर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 10 किलो हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों का नाम सुखदेव सिंह और अवतार सिंह है, जो पहले भी मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में शामिल रहे हैं और बठिंडा जेल में रह चुके हैं।

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि यह तस्कर पाकिस्तान से हथियारों के साथ ड्रग्स की तस्करी कर रहे थे। उनके पास पहले ढाई किलो हेरोइन और 65 लाख की ड्रग मनी भी बरामद हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से एक व्यक्ति ड्राइवर का काम करता था और यह लोग नशे के कारोबार के लिए युवाओं को भी अपनी जाल में फंसाते थे।

पुलिस ने बताया कि इन दोनों तस्करों की गिरफ्तारी अमृतसर में हुए चुनावों के बीच कड़ी नजर रखने के बाद की गई। इसके साथ ही पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि दो पाकिस्तानी तस्कर भी भारतीय जेलों में बंद हैं और वे कोहरे और अंधेरे का फायदा उठाकर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने इस कार्रवाई के लिए पूरी टीम की सराहना की और कहा कि इस तरह की सफल कार्रवाइयाँ नशे के खिलाफ पुलिस के लगातार संघर्ष को दर्शाती हैं।

राजस्थान में मृत सारस में बर्ड फ्लू वायरस मिला, पक्षियों की अन्य प्रजातियों पर भी संकट

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान के फलोदी जिले में बर्ड फ्लू फैल चुका है। जिले के खीचन गांव में मृत पाई गई कुरजां में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है।विसरा के सैंपल 19 दिसंबर को मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित हाई सिक्योरिटी एनीमल डिजीज लैब में भेजे गए थे। 21 दिसंबर को जांच रिपोर्ट में वायरस की पुष्टि हुई है। वायरस की पुष्टि ने स्थानीय प्रशासन और वन विभाग के भीतर चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यह वायरस अन्य पक्षी प्रजातियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। अब तक खीचन क्षेत्र में संक्रमण के कारण सात सारसों की मौत हो चुकी है।

कलेक्टर एचएल अटल ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। पशुपालन, वन, पुलिस, उद्योग और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त बैठक बुलाई गई, जिसमें अधिकारियों से निवारक उपाय लागू करने, जनता की सुरक्षा करने और बीमारी के प्रसार की निगरानी के लिए सर्वेक्षण करने का आग्रह किया गया।

पशुपालन विभाग ने त्वरित प्रतिक्रिया टीम (रैपिड रिस्पांस टीम) का गठन किया है और वन विभाग ने निगरानी एवं सर्वेक्षण दल तैनात किए हैं। उन क्षेत्रों में सतर्क निगरानी की जा रही है, जहां सारस आराम करते हैं और घूमते हैं। स्थानीय अधिकारियों ने भी लोगों से अपील की है कि वे सारसों के प्रवास वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।

कलेक्टर के आदेश के अनुसार कुरजां पक्षियों के विश्राम स्थलों पर वनकर्मियों की टीम तैनात कर दी गई है।

संभल में मिली 250 फीट गहरी बावड़ी, राजस्व विभाग करा रहा खुदाई

संभल । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में चंदौसी में शनिवार को राजस्व विभाग ने एक जमीन की खुदाई की। उस दौरान एक विशालकाय बावड़ी के बारे में खुलासा हुआ।

250 फीट गहरी बावड़ी के मिलने से इलाके में हलचल मच गई है। बावड़ी के बारे में यह कहा जा रहा है कि यह बहुत पुरानी हो सकती है और इसमें ऐतिहासिक महत्व हो सकता है।

बताया जा रहा है कि चंदौसी के लक्ष्मणगंज इलाके में 1857 से पहले हिंदू बाहुल्य था। यहां सैनी समाज के लोग रहते थे लेकिन वर्तमान में यहां मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या अधिक है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसियां ने बताया कि खतौनी के अंदर पॉइंट 040 अर्थात 400 वर्ग मीटर क्षेत्र है। वह बावली तालाब के रूप में यहां दर्ज है। स्थानीय लोग बताते है कि बिलारी के राजा के नाना के समय बावड़ी बनी थी। इसका सेकंड और थर्ड फ्लोर मार्बल से बना है। ऊपर का तल ईंटों से बना हुआ है। इसमें एक कूप भी है और लगभग चार कक्ष भी बने हुए हैं। धीरे धीरे मिट्टी निकाल रहे हैं ताकि इसकी संरचना को किसी भी प्रकार की कोई हानि न हो। वर्तमान में इसका 210 वर्ग मीटर एरिया ही लग रहा है, शेष क्षेत्रफल कब्जे में है। कम से कम सवा सौ से डेढ़ सौ वर्ष पुरानी बावड़ी हो सकती है।

दरअसल संभल में 46 साल पुराने मंदिर मिलने के बाद डीएम को एक शिकायत पत्र दिया गया था, शिकायत पत्र में यह दावा किया गया था कि लक्ष्मणगंज में पहले बिलारी की रानी की बावड़ी थी।

संभल जिले के लक्ष्मणगंज इलाके में बिलारी की रानी की बावड़ी से संबंधित शिकायत के बाद जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) ने मामले की जांच के आदेश दिए। जिसके बाद शनिवार को राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह इलाके के नक्शे के साथ वहां पहुंचे थे। खुदाई के दौरान जमीन से एक प्राचीन इमारत के अवशेष निकलने लगे। यह अवशेष काफी पुरानी संरचनाओं के होने के संकेत दे रहे थे, जो स्थानीय इतिहास और संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

मोहाली हादसा : रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मकान मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

चंडीगढ़ । आरएनएस

पंजाब के मोहाली में शनिवार शाम तीन मंजिला इमारत ढह गई, जिसके मलबे में अभी भी लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है। हादसे में 20 वर्षीय युवती की मौत की पुष्टि की गई है।

एनडीआरएफ अधिकारियों के अनुसार, सेक्टर 77 में एक जिम की इमारत के बेसमेंट में खुदाई के कारण इमारत ढहने से मलबे में पांच लोग दब गए थे।

कार्यवाहक उपायुक्त विराज एस. तिडक़े ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के ठियोग की रहने वाली 20 वर्षीय दृष्टि वर्मा को बचावकर्मियों ने बाहर निकाला और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक पारीक ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने इमारत के मालिकों परविंदर सिंह और गगनदीप सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया है।

पड़ोस में रहने वाले सुखजिंदर सिंह ने बताया, कल शाम 5:00 के आसपास बिल्डिंग गिरी। तीन मंजिला इमारत है और उसके ऊपर एक छोटा सा पीजी भी बना था। बिल्डिंग गिरने के दौरान पहले जोर से वाइब्रेशन हुई और उसके बाद बिल्डिंग गिर गई। इमारत में सबसे निचे जिम चलता था।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव, आनंदपुर साहिब के सांसद मलविंदर सिंह कंग और मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह बचाव अभियान का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

शनिवार शाम 7.30 बजे से ही विशेष एनडीआरएफ और राज्य बचाव दलों के साथ मिलकर संकट से निपटने के लिए लगातार काम कर रही हैं।

मलबे को हटाने वाली मशीन और जेसीबी के साथ इंजीनियर टास्क फोर्स मौके पर मौजूद है। ऊपर से मलबा हटा दिया गया है और बेसमेंट तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यवाहक उपायुक्त ने कहा कि शाम को जैसे ही आपदा की सूचना मिली, जिला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों और अन्य विभागों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया।

इंजीनियरिंग उपकरणों के साथ भारतीय सेना की एक टुकड़ी तैनात कर दी गई। पश्चिमी कमान ने कहा कि भारतीय सेना ने बचाव कार्य में तेजी दिखाई। समन्वित प्रयासों का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए, सेना की टुकडिय़ां

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पारीक भी सबसे पहले मौके पर पहुंचने वाले अधिकारियों में शामिल थे और उन्होंने बचाव प्रयासों की शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए पहल की। तिडक़े ने कहा कि जिला प्रशासन ने पिंजौर स्थित राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल को संदेश भेजा और इसके अलावा भारतीय सेना की पश्चिमी कमान को एनडीआरएफ के साथ बचाव अभियान को बढ़ाने के लिए सूचित किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन मलबे में फंसे हर व्यक्ति को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। सभी लोगों को बचाए जाने तक चौबीसों घंटे अभियान जारी रहेगा।

हादसे पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पोस्ट में कहा, मोहाली के साहिबजादा अजीत सिंह नगर में सोहाना के पास एक बहुमंजिला इमारत गिरने की दुखद खबर मिली है। पूरा प्रशासन और अन्य बचाव दल मौके पर तैनात हैं। मैं प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं।

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि जब इमारत ढही तो बहुत तेज आवाज सुनाई दी।

लूटेरी दुल्हन सीमा अग्रवाल गिरफ्तार, संगीन ठगी का खुलासा

जयपुर । आरएनएस

झोटवाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूटेरी दुल्हन के नाम से मशहूर सीमा अग्रवाल उर्फ निक्की को देहरादून से गिरफ्तार किया है। डीसीपी जयपुर पश्चिम अमित कुमार के निर्देश पर गठित टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार झोटवाड़ा निवासी एक ज्वैलर ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उन्होंने मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए सीमा से संपर्क किया और फरवरी 2023 में शादी की। शादी के कुछ ही महीनों में सीमा ने परिवार का विश्वास जीतकर 25-30 लाख रुपये के गहने और नकदी चोरी कर फरार हो गई।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि सीमा पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुकी है।

आगरा (2013): एक व्यापारी के बेटे से शादी कर प्रताडऩा का केस दर्ज कर 75 लाख रुपये ऐंठे।

गुरुग्राम (2017): सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शादी कर झूठे केस के जरिए 10 लाख रुपये वसूले।

झोटवाड़ा (2023): शादी कर परिवार का विश्वास जीतने के बाद लाखों के गहने और नकदी लेकर फरार।

पुलिस की कार्रवाई- थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ और उप-निरीक्षक वसुंधरा के नेतृत्व में गठित टीम ने देहरादून जाकर सीमा अग्रवाल को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में सामने आया कि सीमा विधुर और तलाकशुदा अमीर पुरुषों को निशाना बनाती थी। शादी के बाद वह उनका विश्वास जीतकर लाखों का सामान लेकर गायब हो जाती। पूछताछ में सीमा ने अन्य घटनाओं में भी शामिल होने की बात स्वीकार की है।

पहली बीवी को 500 करोड़ मिले, मुझे भी इतने ही चाहिए; दूसरी पत्नी की मांग पर सुप्रीमकोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत में जन्मे और अमेरिका में एक सफल आईटी कंसल्टेंसी सेवा चलाने वाले एक व्यक्ति को शादी और तलाक की भारी कीमत चुकानी पड़ी। नवंबर 2020 में अपनी पहली पत्नी को 500 करोड़ रुपये के गुजारा भत्ते के रूप में देने के बाद, अब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दूसरी पत्नी को 12 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। उनकी दूसरी शादी केवल कुछ ही महीनों तक चली थी।

इस व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी पूरी तरह से टूट चुकी शादी को रद्द करने की मांग की थी। उनकी दूसरी शादी 31 जुलाई 2021 को हुई थी और कुछ ही महीनों बाद टूट गई। दूसरी पत्नी ने स्थायी गुजारा भत्ते की मांग करते हुए कहा कि उसे भी पहले पत्नी के बराबर भुगतान मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और पंकज मिथल की पीठ ने दूसरी पत्नी की मांग को खारिज करते हुए कहा कि पहली पत्नी के साथ कई वर्षों तक वैवाहिक जीवन बिताने की तुलना में दूसरी पत्नी का मामला अलग है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपने 73 पेज के निर्णय में लिखा, हमें उस प्रवृत्ति पर गंभीर आपत्ति है, जहां पक्षकार अपने जीवनसाथी की संपत्ति, स्थिति और आय को आधार बनाकर समान धनराशि की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर जीवनसाथी की संपत्ति अलग होने के बाद कम हो जाए, तो ऐसी मांगें क्यों नहीं की जातीं?

अदालत ने कहा कि गुजारा भत्ता का उद्देश्य अलग हो चुकी पत्नी को गरीबी से बचाना, उसकी गरिमा बनाए रखना और सामाजिक न्याय प्रदान करना है। पीठ ने कहा, कानून के अनुसार, पत्नी को यथासंभव वैसी ही जीवनशैली में रहने का अधिकार है जैसी वह अपने वैवाहिक घर में रहती थी जब दोनों साथ रहते थे। लेकिन एक बार जब पति-पत्नी अलग हो जाते हैं, तो पति से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह जीवन भर अपनी वर्तमान स्थिति के अनुसार पत्नी का खर्च उठाता रहे।

अदालत ने यह भी कहा कि अगर पति अलग होने के बाद जीवन में बेहतर कर रहा है, तो उससे यह कहना कि वह हमेशा पत्नी की स्थिति को अपनी बदलती स्थिति के अनुसार बनाए रखे, उसकी व्यक्तिगत प्रगति पर बोझ डालना होगा। अदालत ने सवाल उठाया, अगर पति अलग होने के बाद दुर्भाग्यवश गरीब हो जाए, तो क्या पत्नी अपनी संपत्ति को बराबरी पर लाने की मांग करेगी?

सुप्रीम कोर्ट ने ?12 करोड़ के गुजारा भत्ते को उचित मानते हुए कहा कि यह दूसरी पत्नी को उसकी जरूरतों और स्थिति के आधार पर दिया जा रहा है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि गुजारा भत्ता का उद्देश्य सामाजिक न्याय और गरिमा की रक्षा करना है, न कि जीवनसाथी की संपत्ति के साथ बराबरी करना।